



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिपक्षर से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 125]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 21, 1994/फाल्गुन 30, 1915

No. 125] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 21, 1994/PHALGUNA 30, 1915

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1994

सा.का.नि. 323(अ).—वायुयान (तीसरा संशोधन) नियम, 1993 का प्रारूप, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 4 जून, 1993 में पृष्ठ 1038-1039 पर भारत सरकार के नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 309, तारीख 4 जून, 1993 द्वारा प्रकाशित किया गया था, जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, आशेष और सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को 19 जून, 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी:

और उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में कोई आशेष और सुझाव प्राप्त नहीं हुए थे।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम,

1937 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (तीसरा संशोधन) नियम, 1994 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 में—

- (1) नियम 63 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात्:—

“63 वायुयान जिसके लिए रेडियो साधन का होना बाध्यकर है—

- (1) भारत में रजिस्ट्रीकृत और बी.एफ.आर./आई.एफ.आर. वक्ता के अनुसार प्रचालित किए जाने के लिए अपेक्षित सभी वायुयानों को ऐसे संचार उपस्कर उपलब्ध कराए जाएंगे जो उन वैमानिक स्टेशनों के साथ और उन आवृत्तियों पर समुचित प्राधिकारी द्वारा विहित की जाएं, सभी समय द्विभागीय संचार संचालित करने में समर्थ हैं।

इस प्रकार उपलब्ध कराए गए संचार उपस्कर इस प्रकार के होंगे जो वायुयान विनिर्माता देश के उड्डयन योग्यता प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित हो और महानिदेशक को स्वीकार्य हो।

(2) वायुयान के साथ नौपरिवहन उपस्कर उपलब्ध कराया जाएगा जो उसे :—

- (क) उड़ान योजना के अनुसार अग्रसर होने, और
(ख) हवाई यातायात सेवा की अपेक्षाानुसार अग्रसर होने के लिए सिवाए तब जब यदि समुचित प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार निर्धारित नहीं किया गया है, तो दृश्य उड़ान नियम के अधीन उड़ानों के लिए नौपरिवहन कम से कम प्रत्येक 110 कि. मी. (60 नाटिकल मील) पर सीमांकन के दृश्य निर्देश द्वारा संपादित किया जाता है, समर्थ बना-एगा :

2. नियम 67 के नीचे “स्पष्टीकरण” के स्थान पर निम्नलिखित “स्पष्टीकरण” रखा जाएगा अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजन के लिए “यात्रा लागू” पद के अन्तर्गत अपेक्षित सूचना अभिलिखित करने का कोई ऐसा अन्य रूप या ढंग है जो महानिदेशक को स्वीकार्य हो।”

[फा. सं. ए. वी. 11012/10/92ए]

पी. के. बैनर्जी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी : मुख्य नियम भारत के राजपत्र, दिनांक 27 मार्च, 1937 के भाग 1 में दिनांक 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना सं. V-26 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

बाद में निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए :—

- (1) दिनांक 7 दिसम्बर, 1939 की अधिसूचना सं. 1-ए/15-59 जिसे दिनांक 23 अप्रैल, 1959 के सा.का.नि. 524 द्वारा और आगे प्रतिस्थापित किया गया।
- (2) दिनांक 28 जनवरी, 1957 की अधिसूचना सं. 10-ए/65-52
- (3) दिनांक 28 मई, 1952 का एस. आर. ओ. 1019 जिसे दिनांक 20-10-1961 के सा.का.नि. 1304 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया और दिनांक 8 सितंबर, 1962 के 1238 द्वारा और आगे प्रतिस्थापित किया गया।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION & TOURISM NOTIFICATION

New Delhi, the 21st March, 1994

G.S.R. 323(E).—Whereas the draft of the Aircraft (Amendment) Rules, 1993 was published as required by section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934)

at page 1038-1039 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i) dated the 4th June, 1993 with the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation and Tourism No. GSR 309 dated the 4th June, 1993 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the copies of the said notification were made available to the public on 19th June, 1993;

And whereas no objections and suggestions were received on the said draft rules.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the said Act, the Central Government hereby make the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Third Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937,—

(1) For rule 63, the following rule shall be substituted namely :—

“63. Aircraft for which radio apparatus is obligatory—

(1) All aircraft registered in India and required to be operated in accordance with VFR/IFR condition shall be provided with communication equipment which is capable of conducting two-way communication at all times with those aeronautical stations and on those frequencies as prescribed by the appropriate authority. The communication equipment so provided shall be of a type approved by the airworthiness authority of the country of manufacture of aircraft and acceptable to the Director General.

(2) An aircraft shall be provided with navigation equipment which will enable it to proceed :—

(a) in accordance with the flight plan; and

(b) in accordance with the requirement of air traffic services, except when, if not so precluded by the appropriate authority, navigation for flights under the visual flight rules is accomplished by visual reference to landmarks at least every 110 Kms. (60 Nautical Miles)”.

- (2) For the "Explanation" below rule 67, the following "Explanation" shall be substituted, namely :—

"Explanation.—For the purpose of this rule, the expression "journey log book" includes any other form or manner of recording to the Director General".

[F. No. AV. 11012/10/92-A]

P. K. BANERJI, Jt. Secy.

Foot Note—The Principal Rules, were published vide Notification No. V-26 dated the 23rd March, 1937

in the Gazette of India, Part I dated the 27th March, 1937.

Subsequently amended by :—

- (1) Notification No. 1-A/15-59, dated 7th December, 1939 and further substituted by GSR 524, dated 23rd April, 1959.
- (2) Notification No. 10-A/65-52, dated 28th January, 1957.
- (3) SRO 1019, dated 28th May, 1952, substituted by GSR 1304, dated 10-10-1961 and further substituted by 1238, dated 8th September, 1962.

